भगवान नटराज

हाल ही में **फ्राँसीसी सरकार** की **कांस्य नटराज की मूर्ति की नीलामी की योजना को तमिलनाडु पुलिस ने सफलतापूर्वक रोक** दिया है।

- ऐसा माना जाता है कि **दुर्लभ प्रकार की कांस्य मूर्ति पचास साल पहले थूथुकुडी ज़िले के कयाथार से चुरा ली गई थी।**

भगवान नटराज:

- **नटराज (नृत्य के देवता)**, **हिंदू देवता शिव ब्रह्मांडीय नर्तक** के रूप में, विशेष तौर पर दक्षिण भारत में कई शैव मंदिरों में धातु या पत्थर की मूर्तियों के रूप में पाए जाते हैं।
  - यह **चोल मूर्तिकला की एक महत्त्वपूर्ण रचना** है।

- नटराज के ऊपरी दाहिने हाथ में **डमरू** है, जो **सृजन की ध्वनि का प्रतीक** है। सभी **रचनाएँ डमरू** की महान ध्वनि से निकलती हैं।
- ऊपरी बाएँ हाथ में **शाश्वत अग्नि** है, जो **विनाश** की प्रतीक है। **विनाश सृष्टि का अग्रदूत** और **अपरिहार्य प्रतिरूप** है।
- निचला दाहिना हाथ अभय मुद्रा में है जो आशीर्वाद का प्रतीक है और **भक्त को न डरने के लिये आश्वस्त करता है।**
- निचला **बायाँ हाथ ऊपर उठे हुए पैर** की ओर इशारा करता है और **मोक्ष के मार्ग** को इंगित करता है।
- शिव एक **बौने की आकृति** पर नृत्य कर रहे हैं। **बौना अज्ञानता और व्यक्ति** के अहंकार का प्रतीक है।
- भगवान शिव को **ब्रह्मांड के भीतर सभी प्रकार की गति के स्रोत** के रूप में दिखाया गया है और **प्रलय के दिन को नृत्य, ज्वाला के मेहराब** द्वारा दर्शाया गया है, ये ब्रह्मांड के विघटन को संदर्भित करते हैं।
- शिव के उलझे बालों से बहने वाली **धाराएँ गंगा नदी के प्रवाह** का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- शिव के एक कान में नर तथा दूसरे में मादा अलंकरण है। यह नर और मादा के संलयन का प्रतिनिधित्व करता है और इसे **अर्द्ध-नारीश्वर रूप में** जाना जाता है।
- शिव की भुजा के **चारों ओर एक साँप मुड़ा** हुआ है। **साँप कुंडलिनी शक्ति का प्रतीक** है, जो मानव रीढ़ में सुप्त अवस्था में रहती है। यदि **कुंडलिनी शक्ति जाग्रत** हो जाए तो **व्यक्ति सच्ची चेतना** प्राप्त कर सकता है।
- नटराज **जगमगाती रोशनी** के एक **बादल/निबस** से घिरा हुआ है जो समय के **विशाल अंतहीन चक्र** का प्रतीक है।

[स्रोत: द हिंदू](https://www.thehindu.com)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lord-nataraja